राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–76/2026

भारत ने प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक शक्ति का उपयोग सदैव शांति, सुरक्षा और मानव कल्याण के लिए किया है– राज्यपाल

पटना 11 मई, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने सीमेज सैक्षणिक समूह, पटना एवं विज्ञान भारती, बिहार द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस'' पर सेमिनार एवं ''आई०आई०टी०, बॉम्बे ई–यंत्र लैब का उद्घाटन'' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत ने प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक शक्ति का उपयोग सदैव शांति, सुरक्षा और मानव कल्याण के लिए किया है। उन्होंने 11 मई, 1998 के परमाणु परीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की परमाणु क्षमता का उद्देश्य शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना है।

राज्यपाल ने बिहार की प्रगति के लिए सकारात्मक वातावरण के निर्माण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि किसी भी राज्य की उन्नति संसाधनों के साथ–साथ आत्मविश्वास, आकांक्षा और सामूहिक सोच से होती है। बिहार के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और गर्व की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से खुद के द्वारा तैयार किए गए तीन प्रतीकात्मक विचारों का उल्लेख किया, जिनमें भारतीय नौसेना के एक संभावित युद्धपोत "आईएनएस पटना" की कल्पना, वर्ष 2028 की सेना दिवस परेड पटना में आयोजित करने का विचार तथा "पटना पैट्रियट्स" नाम से एक आईपीएल टीम की परिकल्पना शामिल थी। उन्होंने कहा कि ऐसे विचार समाज में आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का निर्माण करते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि प्रौद्योगिकी तभी प्रभावी सिद्ध होती है जब उसके साथ समाज की आकांक्षाएँ और विकास की इच्छाशक्ति जुड़ी हो। उन्होंने बिहार के युवाओं को राज्य की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि यह राज्य देश के सबसे युवा राज्यों में से एक है और यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाए, तो बिहार आने वाले वर्षों में नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकता है।

आगे पृष्ठ....2 पर

उन्होंने कहा कि बिहार में प्रतिभा, ऊर्जा और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल सही दिशा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दस वर्षों में बिहार देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान स्थापित करेगा।

राज्यपाल ने कहा कि आज तकनीक के माध्यम से आपदा प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान और जनसुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन संभव हुए हैं। अब ऐसी तकनीक उपलब्ध है, जिसके माध्यम से बिजली गिरने या प्राकृतिक आपदा की पूर्व चेतावनी समय रहते लोगों तक पहुँचाई जा सकती है और इससे अनेक लोगों की जान बचाई जा सकती है।

राज्यपाल ने कहा कि आने वाले समय में अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष आधारित तकनीक मानव विकास का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बनने जा रही है। संचार, निगरानी, दूरसंवेदी तकनीक और सुरक्षा व्यवस्था का भविष्य अंतरिक्ष से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों, युवाओं और आयोजकों को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएँ भी दी।

.....